भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2251

सोमवार, 5 अगस्त, 2024/14 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मध्य प्रदेश में पर्यटन परिपथ का विकास

2251. श्री दर्शन सिंह चौधरीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की योजना मध्य भारत में सांची, पंचमढ़ी, सतपुड़ा बाघ संरक्षित क्षेत्र और धुआंधार जलप्रपात परिपथ को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सहायता से करेली से होशंगाबाद चार लेन के राजमार्ग और छिंदवाड़ा से नागपुर राजमार्ग के माध्यम से झिरपा मटकुली सड़क को बेहतर संपर्क से जोड़ने की आवश्यकता है ताकि उक्त स्थलों को पर्यटक अनुकूल बनाने के लिए बेहतर संपर्क स्थापित किया जा सके क्योंकि इससे नागपुर से सीधा संपर्क उपलब्ध होने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार ने अन्य मंत्रालयों की सहायता से पर्यटक परिपथ विकसित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो क्या मध्य भारत के इस परिपथ के लिए भी ऐसे प्रयास किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस)' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' की अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों में सहायता देता है। यह सहायता योजना के दिशा-निर्देशों, निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार तथा राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से प्रदान की जाती है।

मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य में विभिन्न थीमों के तहत 4 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र सं	**थीम/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु में)**
1.	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - दुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10
2.	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची - सतना - रीवा - मंदसौर - धार का विकास	74.02
3.	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	89.82
4.	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन की योजना को हाल ही में स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। इस योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में विकास के लिए गंतव्यों के रूप में ग्वालियर और चित्रकूट का चयन किया है और इन गंतव्यों पर निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है:-

गंतव्य	**परियोजना/अनुभव**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
ग्वालियर	फूलबाग एक्सपीरियंस जोन	16.73
चित्रकूट	चित्रकूट के घाटों से आध्यात्मिक एक्सपीरियंस	27.21

एसडी 2.0 योजना के दिशानिर्देशों में राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए संदर्शी योजना तैयार करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें हवाई, रेल और सड़क, स्थानीय यात्रा तथा किसी भी पर्यटक परिपथ से कनेक्टिविटी शामिल है। एसडी 2.0 योजना के तहत स्वीकार्य घटकों की व्याख्यात्मक सूची में कनेक्टिविटी (अंतिम मील) से संबंधित हस्तक्षेप भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, योजना के संस्थागत

ढांचे में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधियों के साथ राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) और केन्द्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) का गठन शामिल है। यह योजना राज्यों को गंतव्यों के विकास की योजना बनाने और सड़क, जल आपूर्ति तथा सीवरेज, परिवहन आदि जैसे विभिन्न सम्बद्ध विभागों से संबंधित अवसंरचना के विकास को प्राथमिकता देते समय अन्य केन्द्रीय और राज्य योजनाओं के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है।

मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत मध्य प्रदेश में 49.99 करोड़ रुपये की राशि से 'अमरकंटक का विकास' और 43.93 करोड़ रुपये की राशि से 'ओंकारेश्वर का विकास' नामक 2 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इस योजना के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में विकास के लिए स्थलों के रूप में ‘श्री पीताम्बरा पीठ, दतिया जिला’ और ‘शनिदेव मंदिर, मुरैना जिला’ की पहचान की है।

*****